


---

Sudarshanavishnukrita Shiva Stuti

——  
सुदर्शनविष्णुकृता शिवस्तुतिः

——  
Document Information



---

Text title : Sudarshanavishnukrita Shiva Stuti

File name : sudarshanaviShNUkRRitAshivastutiH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shaNkarAkhyah ShaShThAMshaH | adhyAyaH 49| 42-49||

Latest update : August 5, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 5, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



## सुदर्शनविष्णुकृता शिवस्तुतिः



भज भज भसितानलोज्वलाक्षं भुजगाभोगभुजङ्गसङ्ग्रहस्तम् ।  
भवभीममहोग्ररुद्रमीड्यं भवभर्जकतर्जकं महैनसाम् ॥ ४९.४२ ॥

वेदघोषभटखाटकावधृग्देहदाहदहनामल काल ।  
जूटकोटिसुजटातटिदुद्यद्रागरञ्जितटिनीशशिमौले ॥ ४९.४३ ॥

शम्बराङ्कवरभूष पाहि मामम्बरान्तरचरस्फुटवाह ।  
वारिजाद्यघनघोष शङ्कर त्राहि वारिजभवेड्य महेश ॥ ४९.४४ ॥

मदगजवरकृत्तिवास शम्भो मधुमदनाक्षिसरोरुहार्च्यपाद ।  
यममददमनान्धशिक्ष शम्भो पुरहर पाहि दयाकटाक्षसारैः ॥ ४९.४५ ॥

अपां पुष्पं मौलौ हिमभयहरः भालनयनः  
जटाजूटे गङ्गाऽम्बुजविकसनः सव्यनयनः ।  
गरं कण्ठे यस्य त्रिभुवनगुरोः शम्बरहर  
मतङ्गोद्यत्कृत्तेर्भवहरणपादाब्जभजनम् ॥ ४९.४६ ॥

श्रीबिल्वमूलशितिकण्ठमहेशलिङ्गं  
बिल्वाम्बुजोत्तमवरैः परिपूज्य भक्त्या ।  
स्तम्बेरमाङ्गवदनोत्तमसङ्गभङ्ग  
राजद्विषाङ्गपरिसङ्गमहेशशाङ्गम् ॥ ४९.४७ ॥

यो गौरीरमणार्चनोद्यतमतिर्भूयो भवेच्छाम्भवो भक्तो जन्मपरम्परासु तु  
भवेन्मुक्तोऽथ मुक्त्यङ्गनाकान्तस्वान्तनितान्तशान्तहृदये कार्तान्तवार्तोऽञ्जितः ।  
विष्णुब्रह्मसुरेन्द्ररञ्जितमुमाकान्ताङ्घ्रिपङ्केरुह-  
ध्यानानन्दनिमग्नसर्वहृदयः किञ्चिन्न जानात्यपि ॥ ४९.४८ ॥

कामारातिपदाम्बुजार्चनरतः पापानुतापाधिक-  
व्यापारप्रवणप्रकीर्णमनसा पुण्यैरगण्यैरपि ।  
नो दूयेत विशेषसन्ततिमहासारानुकारादरा-

दाराग्राहकुमारमारसुशराद्याघातभीतैरपि ॥ ४९.४९ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते विष्णुप्रोक्तं शिवक्षेत्राणां महिमवर्णनं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शङ्कराख्यः षष्टांशः । अध्यायः ४९। ४२-४९ ॥



- .. shrIshivarahasyam . shankarAkhyah ShaShThAMshaH . adhyAyaH 49.  
42-49..

Notes :

Shiva Rahasyam Amsa-06 consists of the 50 Adhyaya-s that comprise the Ribhu Gita.

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Sudarshanavishnukrita Shiva Stuti*  
pdf was typeset on August 5, 2023  
——

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

